

18. M/s. Lauls Ltd.
19. M/s. Laxmirattan Engineering Works.
20. M/s. Moolehhandani Radio Factory.
21. M/s. Manohar Lal Manchanda & Co., Stone Crusher.
22. M/s. Nav Industries.
23. M/s. New India Motor Body Builders.
24. M/s. Paul Rubber Works.
25. M/s. Paramount Rubber Works.
26. M/s. Ram Sarup Dhani Ram, Gota Factory.
27. M/s. Span Pipe Factory.
28. M/s. Standard Button Agency.
29. M/s. Wearwell Cycle Co. Ltd.
30. M/s. East India Cotton Manufacturing Co.
31. M/s. Munshi Lal & Sons Card Board Co.
32. M/s. Agri. Implements Factory.
33. M/s. Dogra Steel Industries.

'B' Factories under construction—

1. M/s. Indo-Japan Vacuum Flasks, Bottle Co.
2. M/s. Rattanchand Harjas Rai.
3. M/s. Government of India Press.
4. M/s. Priestley Duggal & Co.
5. M/s. Hitkari Brothers.
6. M/s. Electronics Ltd.
7. M/s. Pencil Factory.
8. M/s. Wheel Guards.
9. M/s. J. S. Oberoi.
10. M/s. Chemical Laboratories.
11. M/s. Barbed Wire Factory.

(c) 'A' Industries started by the Faridabad Development Board (i) Printing Press. (ii) Balti Shop, (iii) Structural shop. (iv) Machine, and Press Shop.

(v) The Diesel Engine Factory (which became a separate unit with effect from 1-10-52)

'B' Industries started by the I.C.U. who were advanced a loan of Rs. 24

lakhs by the Board. The industries were taken over by the Board in March, 1953, after the I.C.U. withdrew from the township.

- (i) Carpentry Workshop, (ii) Textile Mill.
- (iii) Button Factory.
- (iv) Hosiery Factory.
- (v) Sports Goods Factory.
- (vi) Soap Factory,
- (vii) Central Dairy Farm,
- (viii) Flour Mill.
- (ix) Box & Stationery Factory.
- (x) Garment Factory-
- (xi) Building Fitting Factory,
- (xii) Cardboard Factory.]

प्रो० डा० रघुवीर : क्या बताया है कि वहाँ पर सहकारी संस्थाएँ विकल हुई ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : शुरू में जब हमने यह बहर बताया शुरू किया था तब हम एक फ्लिंग का तजुर्बा कर रहे थे और वह तजुर्बा यह था कि हम कांसापरेटिव बेसिस पर वहाँ दस्तकारियाँ लगायें। तो कुछ मामलों में कम कामयाबी हुई और बाज मामलों में एक-दम नाकामयाबी हुई और कुछ में कामयाबी भी हुई। यह शुरू शुरू का तजुर्बा था।

प्रो० डा० रघुवीर : विफलता के कारण क्या हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैंने यहाँ तो अर्ज किया कि वहाँ तक शरणार्थियों का ताल्लुक है इसके बारे में हमारा शुरू शुरू में कोई तजुर्बा नहीं था। हमने तजुर्बा हासिल किया और उस तजुर्बे से हमें इस वक्त तक काफी फायदा हो चुका है और आगे सायद गलती नहीं होगी।

प्रो० डा० रघुवीर : क्या इस तजुर्बे का यह परिणाम होगा कि आगे सहकारी संस्थाएँ नहीं बनाई जायेंगी अथवा जो बनाई जायेंगी उनके सम्बन्ध में यह सावधानी रखी जायेगी कि अब विफलता न हो ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : जी हाँ, यह तो नहीं कह सकता कि हम आगे नहीं बनायेंगे।

अगर कोआपरेटिव बेसिस पर ऐसी चीजें चलें तो उनको हम इनफ्रेज करना चाहते हैं। जो गलतियां हमारी पहले हुई हैं उनसे हम जरूर फायदा उठावेंगे। और आगे के दिग्ने देखेंगे कि वे गलतियां न हों।

प्र० डा० रघुवीर : यही तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या गलतियां हुईं जो कि आप बताना नहीं चाहते हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैंने ऐसा तो नहीं किया। हमने इंडियन कोआपरेटिव यूनियन को शुरू के समय में कोई २४ लाख रुपये का लोन दिया था और उनसे कहा था कि फरीदाबाद में लोगों को रिहैबिलिटेड करने के लिये मकान बनाओ और बहुत सी दस्तकारियां लगाओ। तो बाज चीजों में कुछ फायदा हुआ और बाज चीजों में नुकसान हुआ क्योंकि वहाँ जो शरणार्थी थे वे अनइस्किल्ड थे, अनट्रेड थे। उनको हमें साइकालोजिकली रिहैबिलिटेड करना था और जो काम हमने पहले कभी नहीं किया था उस काम का शुरू करना था। तो ऐसे काम को शुरू करने में जरूरी बात है कि थोड़ा सा नुकसान होता है।

श्री अमोलख चन्द : क्या मैं मंत्री महोदय से जान सकता हूँ कि फरीदाबाद कालोनी में इस काम में कामयाबी ज्यादा हुई या नाकामयाबी ज्यादा हुई ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : इसका जवाब देना तो बहुत मुश्किल है। बाज हालतों में तो बहुत कामयाबी हुई और चन्द ऐसी हालतें भी हैं जिनमें नाकामयाबी हुई।

श्री अमोलख चन्द : यानी कामयाबी ज्यादा हुई।

श्री मेहर चन्द खन्ना : यह तो सही है, जहां तक कि शहर का ताल्लुक है . . .

MR. CHAIRMAN: Next Question.
No. 473.

BROADCASTING OF NEPALI PROGRAMME ON THE GAUHATI RADIO STATION

*473. SHRIMATI MAYA DEVI CHETTRY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether any appeal has been received by Government from the 'Daran Tezpur Nepali Bhasa Pra-charani Samity', Assam, demanding the broadcasting of Nepali programme on the Gauhati Radio Station; and

(b) if so, what action has so far been taken by Government in the matter?

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI G. RAJAGOPALAN) : (a) and (b). A. request for the broadcasting of programmes in Nepali from Gauhati Station has been received from the Darrang Nepali Bhasa Prachar Samity meeting held at Tezpur. The question of broadcasting of Nepali programmes is under consideration.

SHRIMATI MAYA DEVI CHETTRY: May I know, Sir, how many local languages are being broadcast from the All India Radio, Gauhati?

SHRI G. RAJAGOPALAN: From Gauhati, we are giving programmes in Assamese—I speak subject to correction. I do not know if there are programmes in any other language.

SHRIMATI MAYA DEVI CHETTRY: I wanted to know what local languages of Assam were being broadcast from Gauhati.

DR. B. V. KESKAR: We have said that we have recently started from Gauhati station, a special programme for the tribal areas and though I am not able to give the specific number of languages in which the programme will be broadcast, it is about 10 or 12.

SHRIMATI MAYA DEVI CHETTRY: May I know, when the programme is